T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

Hindi Vidya Prachar Samiti's

RamniranjanJhunjhunwala College

Of Arts, Science & Commerce

(Empowered Autonomous College)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Syllabus for the T.Y.B.A

Program: B.A. HINDI
Program Code: RJMAJHIN

National Education Policy (NEP 2020)
Level 4.5

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

DISTRIBUTION OF TOPICS AND CREDITS

TYBA Hindi Semester V

Paper Name: History of Hindi Literature

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJDSCHIN351	हिंदी साहित्य का इतिहास **(History of Hindi Literature)**	4	हिंदी साहित्य का इतिहास : नामकरण एवं काल विभाजन क) आदिकाल ख) भक्तिकाल ग) रीतिकाल

TYBA Hindi Semester VI

Paper Name: History of Hindi Literature

Course code	Nomenclature	Credits	Topics
RJDSCHIN361	हिंदी साहित्य का इतिहास **(History of Hindi Literature)**	4	१. आधुनिक हिंदी पद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएं (भारतेंदु युग से समकालीन कविता तक) २. आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, समीक्षा)

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

Course Outcome and Learning Outcome

Paper DSC - I

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES (PSOs) FOR B.A. HINDI

Sr. No.	A student Specific completing B.A. Hindi will able to:
PSO1	**विषय का ज्ञान** साहित्य के विभिन्न रूपों, विधाओं, कालखंड और आंदोलनों की पहचान करना, उनके बारे में चर्चा करना तथा आलेख लिखने की योग्यता। भाषा वैज्ञानिक और शैलीगत विविधताओं को समझने की योग्यता। साहित्यको पढ़ने के उपरांत समीक्षात्मक दृष्टि से स्थानीय और वैश्विक संदर्भों को जानने की उत्सुकता का विकास। **संप्रेषण कौशल** साहित्यिक,अकादमिक और बोलचाल की हिंदी को बोलने और लिखने के कौशल का विकास।पढ़ने और सुनने के कौशल का विकास।
PSO2	**आलोचनात्मक दृष्टिकोण** पढ़ने के पश्चात आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास। तुलनात्मक दृष्टि से अन्य भाषाओं के साहित्य के पुनरावलोकन का विकास। ऐतिहासिकसंदर्भों में पाठ निर्धारण करने की योग्यता। **विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टि का विकास** श्रेष्ठ साहित्य की विशेषता और कमजोरियों का विश्लेषण करने की योग्यता। तार्किक रूप सेसाहित्य के अनुशीलन की योग्यता। समीक्षा के नए बिंदुओं के अन्वेषण की योग्यता। **अनुसंधान कौशल** समस्याओं को खोजने की योग्यता।शोध परिकल्पना और प्रश्नांकनकीयोग्यता ताकि जिज्ञासाओं का विभिन्न उत्तरों के माध्यम से शमन किया जा सके। शोध-पत्रहेतु योजना बनाना और शोध-पत्र लिखने की योग्यता। **वैचारिक स्पष्टता** अध्ययन के उपरांत साहित्यके संबंध में वैचारिक दृष्टि का विकास। दूसरे विचारों का साहित्य पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन। स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की वैचारिकीसे परिचय।
PSO3	**समूह कार्य और समय प्रबंधन** कक्षा में होने वाली समूह चर्चा में सकारात्मक रूप से प्रतिभाग करने की

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

	योग्यता।समूहकार्य में योगदान करने कीरुचि।
PSO4	**नैतिक और सामाजिक मूल्य** सामाजिक मूल्यों को स्पष्ट रूप से समझने के कौशल का विकास। नैतिक मूल्य के प्रति जागरूकता और उनके प्रचार-प्रसार के लिए रुचि उत्पन्न होने की संभावना का विकास। साहित्य के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समस्याओं/संदर्भों जैसे - पर्यावरण, धर्म, राजनीति, समाज आदि को जानने-समझने की जिज्ञासा का विकास। **बहुसांस्कृतिकता** विभिन्न भाषाओं (भारतीय एवं विदेशी) के साहित्य के अध्ययन के द्वारा सांस्कृतिक बहुलता को जानने के प्रति रुचि। विभिन्न विविधताओं को स्वीकार करने की क्षमता का विकास। बहुसांस्कृतिकता को आत्मसात करने की योग्यता।
PSO5	**संवाद और भाषिक कौशल** **रसास्वादन क्षमता**
PSO6	**डिजिटल साक्षरता** सूचना एवं तकनीकी कौशल से परिचय। तकनीकी उपकरणों का विधिवत उपयोग करने की योग्यता का विकास।

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	V CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	**Paper- DSC - I: History of Hindi Literature**
COURSE CODE	:	RJDSCHIN351
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2	हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3	हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
4	आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि तथा तत्कालीन भारत की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक और साहत्यिक परिवेशसे परिचय कराया जायेगा. विद्यार्थी आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य में आई नवीन विधाओं से परिचित होंगे.	1,2,4	BT Level I, II remember, understand
CO2	विद्यार्थियों को तत्कालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा.	1,2	BT Level I, II remember, understand
CO3	आदिकालीन, भक्तिकालीन और रीतिकालीन हिंदी साहित्यमें प्रयुक्त भाषा से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे.	1,5	BT level II, III Understand and apply
CO4	साहित्य के इतिहास के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जागरूकता का निर्माण होगा.	1,2,4	BT level II, III, IV Understand, apply, analyse
CO5	१- विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता का विकास. २- शोधात्मक दृष्टि का विकास. ३- रसास्वादन क्षमता का विकास.	2,5	BT level II, III, IV Understand, apply, analyse

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER V (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper-DSC - I : History of Hindi Literature (हिन्दी साहित्य का इतिहास)	**Paper Code:** RJDSCHIN351	60	4
इकाई - 1		15	
1. हिन्दी साहित्य का इतिहास: नामकरण एवं काल-विभाजन की समस्या 2. आदिकाल क) आदिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) सिद्ध, नाथ, जैन और रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ			
इकाई - 2		15	
1-भक्तिकाल क) भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) संत काव्य, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ			
इकाई - 3		15	
ग) राम भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ घ) कृष्ण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ			
इकाई - 4		15	
1- रीतिकाल क) रीतिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि ख) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की सामान्य विशेषताएँ ।			

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER	:	VI CORE SUBJECT
TITLE OF THE SUBJECT/COURSE	:	**Paper- DSC – I : History of Hindi Literature**
COURSE CODE	:	RJDSCHIN361
CREDITS	:	4
DURATION	:	60 LECTURES

LEARNING OBJECTIVES	
1	हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2	हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3	हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।
4	आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

COURSE OUTCOME NUMBER	On completing the course, the student will be able to:	PSO Addressed	BLOOMS LEVEL
CO1	आधुनिककालीन हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि तथा तत्कालीन भारत की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, धार्मिक और साहत्यिक परिवेशसे परिचय कराया जायेगा. विद्यार्थी आधुनिक कालीन हिंदी साहित्य में आई नवीन विधाओं से परिचित होंगे.	1,2,4	BT Level I, II remember, understand
CO2	विद्यार्थियों को तत्कालीन साहित्यिक प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय प्राप्त होगा.	1,2	BT Level I, II remember, understand
CO3	आधुनिककालीन हिंदीसाहित्यमें प्रयुक्त भाषा से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे.	1,5	BT level II, III Understand and apply
CO4	साहित्य के इतिहास के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक समझ और जागरूकता का निर्माण होगा.	1,2,4	BT level II, III, IV Understand, apply, analyse
CO5	१- विश्लेषणात्मक और तार्किक क्षमता का विकास. २- शोधात्मक दृष्टि का विकास. ३- रसास्वादन क्षमता का विकास.	2,5	BT level II, III, IV Understand, apply, analyse

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

SEMESTER VI (THEORY)		व्याख्यान	Cr
Paper- DSC- I: History of Hindi Literature (हिन्दी साहित्य का इतिहास)	**Paper Code:** RJDSCHIN361	60	4
इकाई - 1		15	
आधुनिक हिन्दी पद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ : 1- भारतेंदु युग 2- द्विवेदी युग 3- छायावाद 4- राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा			
इकाई - 2		15	
आधुनिक हिन्दी पद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ : क) प्रगतिवाद ख) प्रयोगवाद ग) नई कविता घ)साठोत्तरी कविता च)समकालीन कविता			
इकाई - 3		15	
हिन्दी गद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ क) कहानी ख) उपन्यास			
इकाई - 4		15	
हिन्दी गद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ क) नाटक ख) निबंध ग) समीक्षा			

T.Y.B.A. Hindi DSC – I Syllabus Semester V & VI

संदर्भ ग्रंथ सूची

सेमेस्टर -V

प्रश्नपत्र - DSC - I

a. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास- चौदहवाँ संस्करण-नागरी प्रचारिणी सभा काशी
b. डॉ. नगेन्द्र (सं) : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम आवृति - मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, नई दिल्ली-201301
c. डॉ. विजयेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम संस्करण-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
d. डॉ. रामकुमार वर्मा - हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- तृतीय संस्करण - रामनरायणलाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद
e. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - प्रथम संस्करण- लोकभारती प्रकाशन.
f. योगेंद्र प्रताप सिंह -हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ - तृतीय संस्करण वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
g. भारतेन्दुयुगीन काव्य प्रवृत्तियाँ और 'दत्त द्विजेंद्र' का साहित्य – डॉ. मिथिलेश शर्मा – अनंग प्रकाशन – नई दिल्ली

संदर्भ ग्रंथ सूची

सेमेस्टर -VI

प्रश्नपत्र - DSC - I

1. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास- चौदहवाँ संस्करण - नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. डॉ. नगेन्द्र (सं) : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम आवृति - मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, नई दिल्ली - 201301
3. डॉ. विजयेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम संस्करण-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
4. डॉ. रामकुमार वर्मा - हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- तृतीय संस्करण - रामनारायणलाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद
5. डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी - हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - प्रथम संस्करण-लोकभारती प्रकाशन.
6. योगेंद्र प्रताप सिंह -हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ - तृतीय संस्करण - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. इंद्रनाथ मदान : आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास - संस्करण - 2011- राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली.